(ख) वर्ष 1970-71 में इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, राउरकेला और भिलाई के कारखानों को लाभ हुआ है जब कि दुर्गापुर इस्पात कारखाने को 20.40 करोड़ रुपये की हानि हुई है। वर्ष 1 71-72 में भी टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी और इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी को लाभ हुआ है। जहां तक अन्य तीन कारखानों अर्थात् भिलाई, दुर्गापुर और राउरकेला का सम्बन्ध है वर्ष 1971-72 के हिसाब-किताब को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है और सरकार का अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ है परन्तु वर्तमान संकेतों के अनुसार इस वर्ष इन तीनों कारखानों को हानि हुई है।

(ग) लाभदायकता लागत, उत्पादन परिमाण और मूल्यों पर निर्भर है। हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड ने अनुमान लगाया है कि वर्तमान कीमतों और उत्पादन लागतों के आधार पर उसके अधीन तीन सर्वतोमुखी इस्पात कारखाने लाभ कमा सकते हैं यदि उनका उत्पादन स्तर भिलाई, दुर्गापुर और राउरकेला इस्पात कारखानों की स्थापित क्षमता के क्रमश: से 84 प्रतिशत, 81 प्रतिशत और 63 प्रतिशत से बढ़ जाय तदनुसार प्रबंधक वर्ग उत्पादन को यथाशीघ्र बढ़ाने के लिए भरसक प्रयत्न कर रहा है और इस दिशा में कई कदम उठाए गये हैं। पिछले सालों में कम्पनी को अनेक कारणों से घाटा हुआ है जिसमें क्षमता का अपर्याप्त प्रयोग, पूंजी सम्बन्धी खर्चों का अधिक होना, कुछ कारखानों में मालिक-मजदूर सम्बन्ध अच्छे न होना और मूल्य वृद्धि आदि शामिल हैं। टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी की पूंजीगत संबंधी खर्च बहुत कम हैं और उनकी क्षमता का उपयोग अधिक है।

अखिल भारतीय स्तर के श्रमिक संघों की सदस्य-संख्या का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण

2482. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अखिल भारतीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रत्येक श्रमिक संघ की सदस्य-संख्या का पता लगाने के लिये कोई सर्वेक्षण किया है; और

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री वा० के० खाडिलकर) : (क) हाल ही में नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

कोयला खानों में उत्पादन

2483. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में कोयले की कितनी खानें सरकारी क्षेत्र में हैं और कितनी गैर-सरकारी क्षेत्र में हैं; और

(ख) उनमें कोयले का वार्षिक उत्पादन कितना होता है ?

इस्पात और खान मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शाहनवाज खाँ) : (क) देश में 851 कोयला खानें हैं जिनमें से 247 पब्लिक सेक्टर और बाकी 604 प्राइवेट सेक्टर में हैं।

(ख) 1971-72 में उत्पादन 704.90 लाख टन (अनन्तिम) था जिसमें से पब्लिक और प्राइवेट सेक्टरों का उत्पादन क्रमश: 252.60 लाख टन और 452.30 लाख टन था।